में उत्पादन किया और इन बीजों की कितनी-कितनी मात्रा किस किस मूल्य पर बेची गई ; और

(घ) सरकार इनमें से प्रत्येक संस्थान पर प्रतिवर्ष कुल कितनी-कितनी धनराशि व्यय करती है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस० कृष्ण कुमार) : (क) तथा (ख) मार्च, 1995 में प्रमाणित बीजों के उत्पादन और बिक्री में लगे सरकारी क्षेत्र के संस्थानों की सूची संलग्न विवरण –1 में दी गई है (नीचे देखिए)

(ग) 1993–94 के दौरान, इन संस्थाओं द्वारा अनाजों, दलहनों, तिलहनों और देशों आदि के 40.89 लाख क्विंटल प्रमाणीकृत/गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराये गए। राष्ट्रीय बीज निगम, जो राष्ट्रीय स्तर का सरकारी उपक्रम है, की मूल्य सूची अनुपत्र में दी गयी है। **(देखिये परिशिष्ट 173, अनुपत्र सं० 191)**

(घ) सरकार इन संस्थाओं पर सालाना सीधे कुछ खर्च नहीं करती है। फिर भी विभिन्न केन्द्रीय योजनाओं के अंतर्गत बुनियादी सुविधाओं के विकास, बीजों के उत्पादन और वितरण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

विवरण

31 मार्च, 1995 तक प्रमाणित/गुणवत्ता वाले बीजों के उत्पादन में लगी सरकारी क्षेत्र की संस्थाओं की सूची

(क) राष्ट्र स्तरीय

(1) राष्ट्रीय बीज निगम लि०

(2) भारतीय राज्य फार्म निगम

(ख) भारतीय राज्य फार्म निगम

निम्नलिखित राज्यों के राजकीय बीज निगम :

(1) आन्ध्र प्रदेश
(2) असम
(3) बिहार
(4) हरियाणा
(5) गुजरात
(6) कर्नाटक
(7) महाराष्ट्र
(8) मध्य प्रदेश
(9) उड़ीसा
(10) पंजाब
(11) राजस्थान
(12) उत्तर प्रदेश
(13) पश्चिमी बंगाल

जल कृषि फार्मों का पुनः कृषि भूमि में परिवर्तीत किया जाना

8343. श्री एस० आस्टिन : क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार जल कृषि फार्मों को पुनः कृषि भूमियों में परिवर्तित करने हेतु वित्त कि व्यवस्था करेगी;

(ख) क्या यह सच है कि छोटे किसान पहले वाली कृषि फसलों का फिर से उत्पादन शुरू करने के लिए उत्सुक हैं; और

(ग) आन्ध्र प्रदेश में जल कृषि भूमि को पुनः साधारण कृषि फार्म भूमियों में परिवर्तित करने के कार्य को बढ़ावा देने हेतु क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) से (ग) जलकृषि फार्मों को पुनः कृषि भूमि में परिवर्तित करने हेतु वित्त की व्यवस्था करने के लिए भारत सरकार के पास कोई प्रस्ताव नहीं है। आन्ध्र प्रदेश सरकार द्वारा भी इस दिशा में कोई कदम उठाने का विचार नहीं है।

Loss suffered by coastal States

8344. SHRI SARADA MOHANTY:
SHRI PRAVAT KUMAR SAMANTARAY:
SHRI RAHASBIHARI BARIK:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) the details of loss sustained by Orissa, Andhra Pradesh and other coastal

States due to heavy rain and cyclone in the month of May last year;

(b) the Central assistance sanctioned to Orissa and other affected States to provide relief and rehabilitation measures in the affected areas;

(c) the progress made in the repair and restoration work in State of Orissa; and

(d) the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) According to the information received from India Meteorological Department (IMD), a severe cyclonic storm with a core of hurricane winds which was centred about 500 k.m. North-West of Port Blair on the afternoon of 1st May, 1994, had crossed South Bangladesh coast near Cox's Bazar on the night of 2nd May, 1994, without affecting any part of the coastal States in India.

(b) to (d) In view of (a) above, Questions do not arise.

Potentjal in bee keeping

8345. SHRI PRAVAT KUMAR SAMANTARAY:
SHRI SARADA MOHANTY:

Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the vast scope and potentjal jn the country for bee keeping;

(b) i. so, the efforts made in the Central Sector to promote bee keeping in Orissa and other States; and

(c) the details of the areas earmarked in that State for bee keeping?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): (a) Yes, Sir.

(b) and (c) The Government have launched a Central Sector Scheme on 'Development of bee keeping for improving crop productivity' with effect from October, 1994 with a total plan outlay of Rs. 18.87 crores in the current plan to provide assistance for research and training, production of bee colonies, development of infrastructure for handling and marketing of honey and its products etc. The scheme is meant for implementation in all the States including Orissa, and the assistance is made available on project by projects basis.

Annual consumption of Nutrient P and K

8346. SHRI NARESH YADAV: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 4089 given in the Rajya Sabha on 28th April, 1995 and state the annual consumption of the Nutrient P and K in Fertilizers during the last three years?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NETAM): The table below gives consumption of Fertilizer nutrients in the country during the last three years:

(Lakh tonnes)

Year	N	P	K	N+P+K
1992-93	84.27	28.44	8.84	121.55
1993-94	87.89	26.69	9 08	123.66
1994-95 (Estimated)	96.42	30.06	11.82	138.30